



Mukeshkumar Jain

23 Aug 1983

Model: Numerology-Report

Order No: 119369601

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 119369601

Date: 07/09/2025

नाम	Mukeshkumar Jain
जन्म तिथि	23/08/1983
मूलांक	5
भाग्यांक	7
नामांक	3
मूलांक स्वामी	बुध
भाग्यांक स्वामी	नेप/केतु
नामांक स्वामी	गुरु
मित्र अंक	3, 9, 7
शत्रु अंक	2, 4
सम अंक	1, 6, 8
मुख्य वर्ष	1994,2003,2012,2021,2030,2039,2048,2057
शुभ आयु	11,20,29,38,47,56,65,74
शुभ वार	गुरु, बुध, शुक्र
शुभ मास	मार्च, मई, सित
शुभ तारीख	5, 14, 23
शुभ रत्न	पन्ना
शुभ उपरत्न	संगपन्ना,बिलौर,मरगज
अनुकूल देव	लक्ष्मीनारायण
शुभ धातु	स्वर्ण
शुभ रंग	हरित
मंत्र	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः वृहस्पतये नमः
शुभ यंत्र	गुरु यंत्र

10	5	12
11	9	7
6	13	8



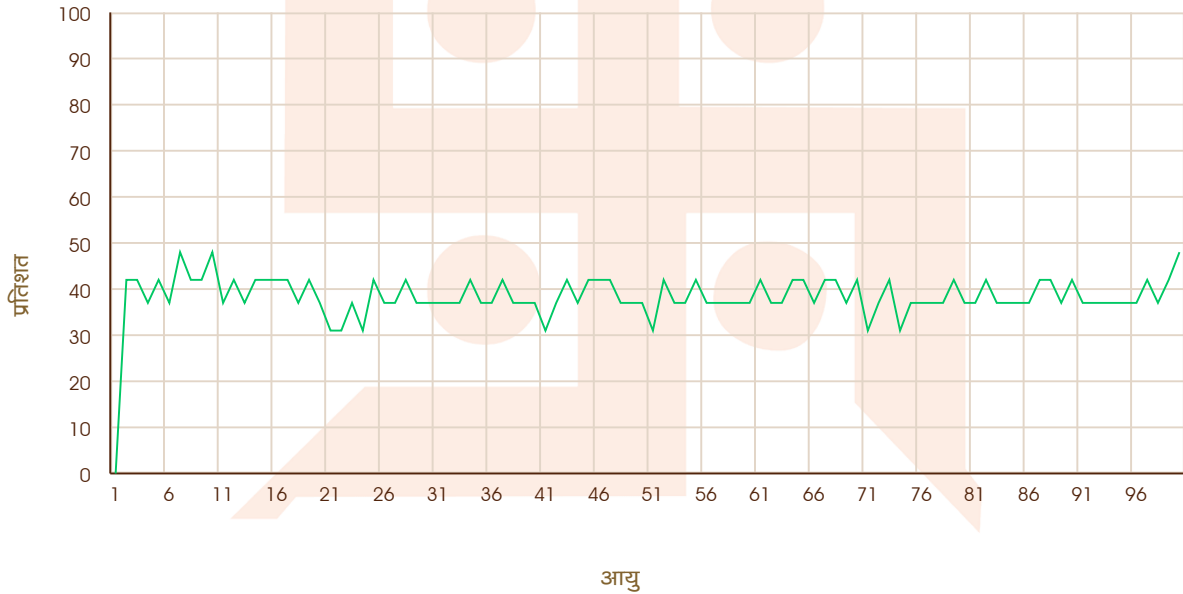
FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंकों से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1994,2003,2012,2021,2030,2039,2048,2057

शुभ आयु 11,20,29,38,47,56,65,74

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 23 है। दो एवं तीन के योग से आपका मूलांक 5 होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह को माना गया है। अंक दो का स्वामी चन्द्र तथा अंक तीन का गुरु है। अतः आपके जीवन पर मूलांक स्वामी बुध अंक स्वामी चन्द्र तथा गुरु तीनों का सम्मिलित प्रभाव दर्शनीय होगा।

मूलांक पाँच के प्रभाव से आपकी रुचि नौकरी की अपेक्षा व्यापार में अधिक रहेगी। बुध वाणिज्य का दाता है। यदि नौकरी भी करेंगी तो कॉमर्शियल विभाग, वित्त प्रधान कार्यों में रुचि रखेंगी, अथवा आपके पति इन विभागों में हो सकते हैं। आप प्रत्येक कार्य को शीघ्रता से समाप्त करेंगी। रोजगार का चुनाव आप ऐसा ही करेंगी जहाँ कार्य शीघ्रता से एवं कम मेहनत करने पर अधिक लाभ प्राप्त होता हो। मानसिक स्थिति चंचल होने से क्रोध आपको जल्दी आयेगा, लेकिन उसी गति से शान्त हो जायेगा। बुद्धि का अधिक प्रयोग करने के कारण वृद्धावस्था में आपको स्नायुवेग के रोगों की संभावना रहेगी। चन्द्र प्रभाव से शीतरोग एवं गुरु प्रभाव से पीलिया जैसे उदर रोगों का सामना करना पड़ेगा।

चन्द्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आर्थिक स्थिति आपकी अच्छी रहेगी। बौद्धिक स्तर उच्च होगा। समाज में घुल-मिल जाने की कला में आप निपुण रहेंगी। सामाजिक ख्याति आपकी उच्चकोटि की रहेगी एवं मुखिया इत्यादि का सामाजिक पद विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगा। आपको अपनी मानसिक चंचलता पर नियंत्रण रखना भविष्य के लिये लाभ दायक रहेगा।

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी-कठिनाई से होता है, अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकती हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचिपूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगी। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

आपका मूलांक 5 है तथा आपका भाग्यांक 7 है। मूलांक 5 का स्वामी बुध है तथा भाग्यांक 7 का स्वामी नेपच्यून है तथा मूलांक 5 और भाग्यांक 7 के बीच सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपको मूलांक या भाग्यांक का मिलाजुला फल प्राप्त होगा। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आपकी व्यावसायिक कल्पना शक्ति अच्छी होगी एवं आप अपने रोजगार में एक सफल महिला के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेंगी। आप अधिक मात्रा में धन संग्रह करने में असमर्थ रहेंगी। आपका अधिक समय धनार्जन की अपेक्षा जनता की भलाई करने में व्यतीत होगा। जीवन में आप एक संघर्षशील, कर्मठ महिला के रूप में अपनी छवि स्थापित करेंगी।

आपका सामाजिक स्तर काफी अच्छा रहेगा एवं दूर-दूर के लोगों से आपके संबंध बनेंगे। आपके जीवन में यात्रा योग काफी अधिक रहेगा तथा यात्राओं से आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। कई यात्राएं आपके जीवन में अविस्मरणीय छाप छोड़ जाएंगी। आपका कार्यक्षेत्र परिवर्तनशील रहेगा एवं पुरानी प्रथाओं को नये रूप में पेश करने में आप सफल रहेंगी। आपका भाग्योदय 25 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 34 वर्ष की अवस्था पर आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 43 वर्ष की आयु पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

मूलांक 5 की 3 एवं 9 से मित्रता है तथा भाग्यांक 7 की 2 एवं 6 से मित्रता है। अतः आपके जीवन में 2, 3, 5, 6, 7, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनमें आपके जीवन की कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में, आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगी, तो पाएंगी कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए फरवरी, मार्च, मई, जून, जुलाई, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंकों से मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 5 एवं भाग्यांक 7 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 2, 3, 5, 6, 7, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले होंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 2, 3, 5, 6, 7, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

2 . 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

5 . 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

7 . 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बन जाएंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Mukeshkumar Jain

4+6+2+5+3+5+2+6+4+1+2 1+1+1+5

नाम का योग : 48 नामांक : 3

आपके नाम का कुल योग अड़तालीस होता है। चार एवं आठ के योग से बारह तथा एक एवं दो के योग से तीन आपका नामांक है। अंक चार का स्वामी हर्षल एवं आठ का स्वामी शनि है। नामांक तीन का स्वामी वृहस्पति ग्रह है। इन तीनों ग्रहों के गुण अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। वृहस्पति के प्रभाव से आपके अन्दर भावुकता की मात्रा अधिक रहेगी। आपकी रुचि शारीरिक कार्यों की अपेक्षा मानसिक कार्यों में अधिक रहेगी। शनि के प्रभाव से आपके अन्दर त्याग की भावना अधिक रहेगी एवं आप संघर्षशील तथा परिश्रमी होंगी। हर्षल के प्रभाव से आपको निरन्तर कार्य में लगा रहना पड़ेगा और नये आविष्कारों द्वारा अपना नाम रोशन करना होगा। वृहस्पति ग्रह के प्रभाव से आप अनुशासन के मामले में काफी कठोर रहेंगी। काम में शिथिलता स्वीकार नहीं करेंगी। आप स्वभाव से शान्त, कोमल, मृदुभाषी एवं सत्यवक्ता होंगी।

आपके नाम का नामांक 3 है। इसका आपके मूलांक 5 एवं भाग्यांक 7 से सम संबंध है। अतः आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रहों के शुभ फल आपके नाम को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं होंगे। इसके प्रभाव से आपका नाम समाज में पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त करने में असमर्थ रहेगा। यदि आप मूलांक एवं भाग्यांक के ग्रहों का सम्पूर्ण फल प्राप्त करना चाहती हैं तो आप अपने नाम में इस प्रकार से परिवर्तन करें कि आपका नाम आपके मूलांक तथा भाग्यांक के साथ उत्तम तालमेल स्थापित कर ले। नाम में परिवर्तन करने के कारण आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रह के पूर्ण फल प्राप्त होंगे तथा आपका नाम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में लोकप्रियता प्राप्त करने में सफल रहेगा।

अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहती हैं तो आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करें तथा उसका नामांक 5 आता हो और 1 न हो तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगी। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 3,6,7 अंक शुभ रहेंगे तथा 4,2,9 अंक अहितकर होंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि

उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=9$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

बुध दिनांक 22 मई से 21 जून एवं 24 अगस्त से 23 सितंबर तक, पाश्चात्य मत से, सूर्य मिथुन एवं कन्या राशि में रहता है तथा भारतीय मतानुसार 15 जून से 15 जुलाई तक एवं 17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक सूर्य मिथुन तथा कन्या राशि में रहता है। मिथुन बुध की स्वराशि तथा कन्या उच्च राशि है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक पांच के लिए कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार के दिन आप अपना कोई भी महत्वपूर्ण कार्य या रोजगार व्यापार संबंधी कार्य प्रारंभ करें तो यह आपके लिए अच्छा रहेगा। इन दिवसों में अनुकूल तारीखें भी हों तो आपके लिए श्रेष्ठ फलदायक सिद्ध होगा।

शुभ तारीखें

अंग्रेजी के किसी भी माह की 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 तारीखें आपके लिए कोई कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगी। इन तारीखों में आपके लिए अपना कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, उच्च अधिकारी या किसी विशिष्ट व्यक्ति से मिलना, पत्र लेखन इत्यादि विशेष लाभप्रद रहेगा।

अशुभ तारीखें

अंग्रेजी माह की 2, 4, 11, 13, 20, 22, 29 एवं 31 तारीखों में किसी भी प्रकार का व्यापार संबंधी कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, अथवा पत्र व्यवहार संबंधी कार्य करना आपके लिए प्रतिकूल है। अतः आप इन तिथियों में कोई भी शुभ कार्य संपन्न न करें।

मित्रता या साझेदारी

जिन व्यक्तियों का जन्म 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 तारीखों अथवा 15 जून से 15 जुलाई एवं 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के मध्य हुआ है, ऐसे व्यक्तियों से आपकी मित्रता अच्छी रहेगी तथा ये लोग रोजगार-व्यवसाय के क्षेत्र में भी आपके सफल मित्र साबित होंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

कोई भी महिला जिसका मूलांक 3, 5, 9 होता है तथा जिसका जन्म 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 दिनांकों में हुआ हो वे आपके लिए विशेष शुभ फलदायक रहेंगी तथा इन महिलाओं से आप स्नेहपूर्ण संबंध रख सकते हैं।

अनुकूल रंग

मूलांक के अनुसार आपके लिए हल्का खाकी, सफेद चमकीला उज्ज्वल रंग उत्तम रहेंगे। अतः ये आपके स्वास्थ्य आदि के लिए ठीक रहेंगे। हो सके तो आप इन रंगों का रुमाल हर समय अपने साथ रखें और यदि आप अपने ड्राइंग रूम के पर्दे, चादर, तकिये, बिछावन आदि इसी रंग का पसंद करेंगे तो और भी अच्छा रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए उपयुक्त दिशा उत्तर है। इसलिए आपके लिए ऐसा मकान या फ्लैट शुभ रहेगा जिसका मूलांक तथा नामांक 5 हो। उत्तर दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। आप अपने घर की बैठक उत्तर दिशा में ही करें एवं घर के फर्नीचर आदि का रंग खाकी, सफेद चमकीला होना चाहिए, जो आपके लिए अच्छे फल देने वाले होंगे।

शुभ वाहन नं

अगर आप स्वयं का वाहन खरीदना चाहते हैं तो उसके लिए आपको पहले अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल स्थापित करने वाले अंकों के अनुसार पंजीकरण क्रमांक लेना हितकर रहेगा। आपका मूलांक 5 है एवं मित्रांक 3 एवं 9 हैं। अतः आपके लिए शुभ पंजीकरण क्रमांक 5234 = 5 आदि होना चाहिए। आपके वाहन का नंबर 104 = 5 इत्यादि हो तभी आपके लिए यह शुभ फलदायक रहेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आती है तथा आप चर्म रोग, स्नायु निर्बलता, मानसिक चिंता, दुर्बलता, शारीरिक कमजोरी तथा मानसिक दुर्बलता से ग्रसित हो जाते हैं। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट और विपत्ति के समय विष्णु की पूजा, पूर्णिमा का व्रत कर के, केले का प्रसाद लें।

व्यवसाय

तार और टेलीफोन विभाग, ज्योतिष, सेल्समैन, डाकघर, पोस्टमैन, बीमा विभाग, बैंकिंग, बजट निर्माण, रेलवे इंजीनियरी, संपादक, तंबाकू व्यवसाय, रेडियो व्यवसाय, लेखक, पत्रकार, अनुवादक, राजनीति संबंधी कार्य, मुद्रणालय, संचार व्यवस्था, पुस्तक विक्रेता, पुस्तकालय, लाइब्रेरियन, यातायात संबंधी कार्य, इतिहास, खोज एवं पुरातत्व विभाग, आविष्कारक, मुनीम, पर्यटक एवं बुद्धि बल के समस्त कार्य।

व्रतोपवास

बुधवार को बुध अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। पैंतालीस या सत्रह बुधवारों को यह व्रत करें। हरे रंग के कपड़े पहनें एवं हरे पदार्थों का दान करें। तुलसी के पत्ते खाना एवं चढ़ाना लाभप्रद रहता है। पन्ना या मरगज की माला पर बुध मंत्र का जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए पन्ना शुभ रत्न है। उसके न मिलने पर उपरत्न मरगज, ओनेक्स, ग्रीन पेरनीडाट धारण करें। इसे आप सोने या चांदी में तीन से छह रत्ती में बनवा कर, बुधवार के दिन, शुक्ल पक्ष में दायें हाथ की कनिष्ठा उंगली में, त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप बुध ग्रह की उपासना करें भगवान लक्ष्मी नारायण की आराधना करें। भगवान लक्ष्मी नारायण के चतुर्दशाक्षरी मंत्र “ओम् ह्रीं ह्रीं श्री श्री लक्ष्मी वासुदेवाय नमः” का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगी तो आप विभिन्न रोगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगी। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान लक्ष्मी नारायण के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए बुध के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु बुध के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

बुध गायत्री मंत्र - ॐ सौम्यरूपाय विद्महे बाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्यः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप बुध का ध्यान करें, मन में बुध की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ बुध को अनुकूल बनाने हेतु बुध के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान नब्बे माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ ब्राँ ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ जप संख्या 9000 ॥

वनस्पति धारण

आप बुधवार के दिन विधारा की एक इंच लंबी जड़ ला कर, हरे धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या सोने या चांदी के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे बुधवार के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक बुधवार को एक बाल्टी या बर्तन में हरड़, बहेड़ा, गोमय, चावल, गोरोचन, स्वर्ण, आंवला और मधु आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ बुध के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए कूटूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोधा को मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

बुध की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को बुध के पदार्थ कांसी, हाथी दांत, हरा वस्त्र, मूंगा, पन्ना, सुवर्ण, कपूर, शास्त्रा, पफल, षट्पास भोजन, घृत, सर्व पुष्प आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

बुध को अनुकूल बनाए रखने हेतु बुध यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, बुधवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

